

जयदेव जयदेव जय मंगलमूर्ति



सुख करता दुखहर्ता, वार्ता
विघ्नाची

नूवीं पूर्वी प्रेम कृपा जयाची
सर्वांगी सुन्दर उटी शेंदु राची
कंठी झलके माल
मुक्ताफळांची

जय देव जय देव, जय मंगल
मूर्ति

दर्शनमात्रे मनःकामना पूर्ति
जय देव जय देव

रत्नखचित फरा तुझ
गौरीकुमरा
चंदनाची उटी कुमकुम केशरा
हीरे जडित मुकुट शोभतो बरा
रुन्झुनती नूपुरे चरनी घागरिया

जय देव जय देव, जय मंगल
मूर्ति
दर्शनमात्रे मनःकामना पूर्ति
जय देव जय देव

लम्बोदर पीताम्बर फनिवर
वंदना

सरल सोंड वक्रतुंडा त्रिनयना
दास रामाचा वाट पाहे सदना
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे
सुरवर वंदना

जय देव जय देव, जय मंगल
मूर्ति

दर्शनमात्रे मनःकामना पूर्ति
जय देव जय देव

शेंदुर लाल चढायो अच्छा
गजमुख को
दोन्दिल लाल बिराजे सूत
गौरिहर को
हाथ लिए गुड लड्डू साईं सुरवर
को
महिमा कहे ना जाय लागत हूँ
पद को

जय जय जय जय जय
जय जय जी गणराज
विद्यासुखदाता
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत
रमता
जय देव जय देव

Read Online

अष्ट सिधि दासी संकट को बैरी
विघन विनाशन मंगल मूरत
अधिकारी
कोटि सूरज प्रकाश ऐसे छबी
तेरी
गंडस्थल मद्मस्तक झूल शशि
बहरी

जय जय जय जय जय
जय जय जी गणराज
विद्यासुखदाता
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत
रमता
जय देव जय देव

भावभगत से कोई शरणागत
आवे
संतति संपत्ति सबही भरपूर पावे
ऐसे तुम महाराज मोको अति
भावे
गोसावीनंदन निशिदिन गुण
गावे

जय जय जी गणराज
विद्यासुखदाता
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत
रमता
जय देव जय देव